डॉ. के. श्रीनिवासराव
सचिव
Dr. K. Sreenivasarao
Secretary

साहित्य अकादेमी
(राष्ट्रीय साहित्य संस्थान)
संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार की स्वायत्तशासी संस्था
Sahitya Akademi
(National Academy of Letters)
An Autonomous Organisation of Government of India, Ministry of Culture

प्रेस विज्ञप्ति

## साहित्य अकादेमी द्वारा प्रवासी मंच कार्यक्रम का आयोजन
## नार्वे से पधारे लेखक सुरेश चंद्र शुक्ल ने प्रस्तुत की अपनी रचनाएँ

नई दिल्ली। 25 सितंबर 2019; साहित्य अकादेमी द्वारा आयोजित प्रवासी मंच कार्यक्रम में आज ओस्लो (नार्वे) से पधारे लेखक सुरेश चंद्र शुक्ल ने अपनी रचनाएँ प्रस्तुत कीं। कार्यक्रम के आरंभ में उन्होंने नार्वे में हिंदी की स्थिति के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने वहाँ से निकलने वाली हिंदी पत्र–पत्रिकाओं का विशेष तौर पर उल्लेख किया। इसके बाद उन्होंने अपनी कहानी 'वापसी' प्रस्तुत की जोकि उनकी कहानी–संग्रह 'सरहदो के पार' से ली गई थी। कहानी में एक प्रवासी भारतीय कैसे अपने देश लौटते समय उत्साहित होता है और उनके लिए किस तरह के उपहार आदि ले जाता है, का वर्णन किया गया था। इसके बाद उन्होंने अपनी कविताएँ प्रस्तुत कीं। कार्यक्रम के पश्चात् श्रोताओं ने उनसे नार्वे में हिंदी तथा वहाँ के समाज में भारतीय लोग की स्थिति के बारे में कई प्रश्न पूछें। एक प्रश्न के उत्तर में उन्होंने बताया कि नार्वे में लगभग 24 हजार भारतीय है और वहाँ हिंदी के अलावा पंजाबी, उर्दू एवं तमिळ भाषाएँ भी बोली जाती हैं। वहाँ के मिडिल स्कूल एवं विश्वविद्यालय स्तर पर भी उन्हें वहाँ पढ़ाया जाता है।

कार्यक्रम के आरंभ में साहित्य अकादेमी के सचिव डॉ. के. श्रीनिवासराव ने पुस्तकें भेंट कर उनका स्वागत किया। कार्यक्रम का संचालन साहित्य अकादेमी के संपादक हिंदी अनुपम तिवारी ने किया।

(के. श्रीनिवासराव)

रवीन्द्र भवन, 35 फ़ीरोज़शाह मार्ग, नई दिल्ली-110 001, दूरभाष : +91-11-2338 7064, 2307 3002, फैक्स : +91-11-2338 2428
Rabindra Bhavan, 35 Ferozeshah Road, New Delhi-110 001, Phone : +91-11-2338 7064, 2307 3002, Fax : +91-11-2338 2428
E-Mail : secretary@sahitya-akademi.gov.in, Website : http//www.sahitya-akademi.gov.in

प्रवासी
भारतीय साहित्य के निर्माता
हरिशंकर परसाई
विश्वनाथ त्रिपाठी
खंड 2
बीसवीं सदी की हिंदी कथा-यात्रा
चयन एवं संपादन : कमलेश्वर
सहायक : गायत्री कमलेश्वर

प्रवासी मंच
PRAVASI MANCH

प्रवासी मंच
PRAVASI MANCH